राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

स्मारिका 2016

उप निरीक्षक बैच - 42

राजस्थान पुलिस आरक्षी बैण्ड बैच - 10

सीआईएसएफ आरक्षी बैण्ड बैच - 01

स्मारिका 2016

उप निरीक्षक बैच - 42

राजस्थान पुलिस आरक्षी बैण्ड बैच - 10

सीआईएसएफ आरक्षी बैण्ड बैच - 01

संरक्षक

राजीव दासोत
आई. पी. एस.
निदेशक, राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

परामर्श एवं मार्गदर्शन

राजेश कुमार शर्मा
आई. पी. एस.
उप निदेशक एवं प्राचार्य

संजीव नैन
आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (प्रशासन)

आलोक श्रीवास्तव
आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (आउटडोर)

अनुकृति उज्जैनिया
आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (सी डी पी एस एम)

दिलीप सैनी
आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (एस सी एण्ड सी ओ ई)

लक्ष्मण सिंह मण्डा
आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (इन्डोर)

संपादक एवं संकलन

जगदीश पूनियाँ
आर. पी. एस.

फोटोग्राफी - सागर

प्रस्तुत संकलन प्रशिक्षणार्थियों की नितान्त मौलिक रचनाओं एवं मौलिक विचारों का प्रतिनिधित्व मात्र है,
सम्पादक मण्डल एवं प्रकाशक का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सत्यमेव जयते

राजीव दासोत आई. पी. एस.

निदेशक, राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

निदेशक की कलम से ...

पुलिस में उप निरीक्षक का दायित्व अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि उप निरीक्षक को जनता के मध्य रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करना पड़ता है। वह अपने से अधीन पदों का प्रत्यक्ष नेतृत्व भी करता है। उनके द्वारा किये गये अनुसंधान के आधार पर ही पीड़ित लोगों को न्याय प्राप्त होता है। बैण्ड का भी पुलिस और सेना में अत्यधिक महत्व है। इनके द्वारा बजाई धुनों पर ही भव्य परेड का आयोजन सम्भव हो पाता है। बैण्ड की ड्रम बीट पर ही पुलिसकर्मी कदम से कदम मिलाकर चल सकते है। पुलिस में जब संचार के साधन नहीं थे तो विभिन्न प्रकार की बिगुल ध्वनियों से उनके विभिन्न क्रिया–कलापों को संचालित किया जाता था।

राजस्थान पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण पूर्ण कर कर्म क्षेत्र में प्रवेश करने वाले उप निरीक्षकों एवं बैण्ड कान्स्टेबल को अपने सीखे हुए कौशल को व्यवहार में प्रदर्शित करने का समय आ गया है। प्रशिक्षण के दौरान आपको जो सिखलाया गया है उसमें निरन्तर सुधार आपके द्वारा किया जाना चाहिए। आधारभूत प्रशिक्षण हमें प्रारम्भिक स्तर की जानकारी प्रदान करता है। प्रारम्भिक स्तर के कौशल को उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए हमारे अन्दर सीखने का जज़्बा निरन्तर बना रहना चाहिए। उप निरीक्षकों को कानून एवं व्यवस्था संधारण तथा अनुसंधान कौशल में उत्कृष्टता की ओर बढ़ना है। बैण्ड कान्स्टेबल को भी अपने कार्य में निरन्तर निखार के लिए प्रतिदिन अभ्यास के द्वारा नई–नई धुनों को सीखना होगा।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप लोग भविष्य में जन हित के लिए समर्पण भाव से कार्य करेंगे। अपने कार्य एवं व्यवहार में हमेशा कर्त्तव्य निष्ठा एवं जनसेवा बनाये रखेंगे तथा राजस्थान पुलिस के गौरवमयी इतिहास का हिस्सा बनते हुए हमेशा उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहेंगे। मैं आपको भावी जीवन हेतु शुभकामनाएँ देता हूँ।

(राजीव दासोत)

सत्यमेव जयते

राजेश कुमार शर्मा आई. पी. एस.

उप निदेशक एवं प्राचार्य

उप निदेशक की कलम से ...

राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर में उप निरीक्षक (प्रोबे.) बैच संख्या 42, पुलिस कानि. (बैण्ड) प्रशिक्षु, बैच संख्या–10, कानि. सीआईएसएफ (बैण्ड) प्रशिक्षु बैच संख्या–01 के सभी प्रशिक्षुओं को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने पर मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाऐं।

प्रशिक्षण से व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ–साथ व्यवहार, कुशलता में भी वृद्धि होती है। अकादमी में सतत् रूप से यह प्रयास किये गये हैं कि वर्तमान में बदलते आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में आपको बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध करवाया जाये, ताकि आप समाज में आमजन की समस्याओं को समझकर एक उत्साही पुलिस अधिकारी के तौर पर उसका कुशलतापूर्वक समाधान कर सकें। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप अर्जित किये ज्ञान एवं कौशल का अपने कार्य निष्पादन में सफलतापूर्वक प्रयोग करेंगे।

आप सभी को मेरी ओर से भावी जीवन हेतु शुभकामनाऐं!

जय हिन्द।

शुभेच्छु

(राजेश कुमार शर्मा)

संजीव नैन आर. पी. एस.

सहा. निदेशक (प्रशासन)

आप सभी को प्रशिक्षण समाप्ति पर हार्दिक बधाई एवं भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं।

प्रशिक्षण अवधि एक पुलिसकर्मी के जीवन में अति महत्वपूर्ण स्थान रखती है। प्रारम्भिक प्रशिक्षण ही एक पुलिसकर्मी के जीवन को नींव प्रदान करता है। प्रशिक्षण के दौरान वर्तमान चुनौतियों के अनुसार आप सभी को तैयार करने का प्रयास किया गया है। प्रशिक्षण को आपने जीवटता से पूर्ण किया है जिसके लिए आप बधाई के पात्र हैं। पुलिसकर्मी का जीवन सदा चुनौतीपूर्ण होता है। प्रशिक्षण इन चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए सुदृढ़ आधार प्रदान करता है। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को शारीरिक तथा मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाने के साथ–साथ नैतिक मूल्यों को अपना कर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने हेतु प्रेरित किया जाता है। मैं आपसे उम्मीद करता हूँ कि पद पर रहते हुए आप सभी से वह व्यवहार करेंगे जो आप दूसरों से अपने प्रति उम्मीद रखते हैं। जीवन में विभिन्न कानूनों–नियमों का पालना करते हुए अच्छा इन्सान बनने का सतत् प्रयास अवश्य करें। अपने व्यस्त सेवाकाल में परिवार एवं परिजनों के साथ समय अवश्य व्यतीत करें। आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

जय हिन्द!

शुभेच्छु

(संजीव नैन)

आलोक श्रीवास्तव आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (आउटडोर)

आधारभूत प्रशिक्षण सफलता पूर्ण करने पर आप सभी को मेरी ओर से हार्दिक बधाई !

पुलिस विभाग के लिए प्रशिक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण से अनुशासन, व्यवहार, कुशलता एवं संवेदनशीलता आदि गुणों का विकास होता है। जिससे शारीरिक व मानसिक विकास में वृद्धि होती है। पुलिस सेवा राष्ट्र सेवा हेतु उचित माध्यम है। आपके पास एक अवसर होगा, इतिहास रचने का सही मायनों में जनता का सेवक बनकर गरीब, असहाय, निराश्रित की सहायता करके, जनता का मददगार बनकर सही अनुसन्धान करके तथा आमजन में विश्वास व अपराधियों में डर पैदा करके।

अकादमी जितना कठोर परिश्रम अब शायद आपको नहीं करना पड़े परन्तु यह कठोर परिश्रम आपको आगे आने वाली परीक्षाओं में खरा उतरने में मदद करेगा, चाहे वो शारीरिक श्रम हो या कानून की पेचीदगियों में उलझे सवालों को हल करने की बात हो।

किसी भी कार्य को करने से पूर्व एक बार स्वयं को सामने वाले के स्थान पर रखकर सोचें – क्या आप उसी प्रकार का कार्य व व्यवहार कर रहे हैं जिसकी आप सामने वाले से अपेक्षा रखते हैं ? अन्त में मैं यह अपेक्षा रखता हूँ कि आप अकादमी में दी गई अच्छी सीखों को आत्मसात करेंगे। प्रशिक्षण में सीखी गई बारीकियाँ निश्चित ही आपके लिए लाभप्रद एवं मार्गदर्शक साबित होंगी। मैं सभी प्रशिक्षु अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुये चाहता हूँ कि सभी पुलिस की नवीन विधाओं से जुड़ कर अपने ज्ञान में वृद्धि करते रहें एवं सफलता प्राप्त करें। आपको व आपके परिवार को हार्दिक बधाइयाँ व शुभकामनाएं।

जय हिन्द।

शुभेच्छु

(आलोक श्रीवास्तव)

अनुकृति उज्जैनिया आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (सी डी पी एस एम)

आप सभी को प्रारम्भिक प्रशिक्षण के सफलता पूर्वक सम्पन्न करने पर मेरी ओर से हार्दिक बधाई।

अकादमी में आधारभूत प्रशिक्षण के उपरान्त आप सभी व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु तैयार हैं। अकादमी के इण्डोर एवं आउटडोर स्टाफ ने पूरी लगन व परिश्रम के साथ आपको बहुआयामी प्रशिक्षण जिसमें शारीरिक दक्षता, फायरिंग, घुड़सवारी, तैराकी, मोटर ड्राईविंग, मानव विकास के क्षेत्र में प्रशिक्षित किया है।

जीवन में संगीत का अपना महत्व है। संगीत तनाव को कम करने में सहायक होता है। बैण्ड की धुनें वादक एवं श्रोता के अर्न्तमन में सहृदयता, कोमलता एवं संवेदनशीलता जैसे भावों को जागृत करती है जिनका एक सफल पुलिस अधिकारी में होना आवश्यक है।

पुलिस बेड़े में अनुशासन, टीम भावना जैसे गुण जो अकादमी से आपने प्राप्त किए है यदि इन गुणों से अलंकृत जीवन में संघर्षों का सामना करेंगे तो सदैव सफलता प्राप्त होगी। अतः आप सभी पूरे आत्मविश्वास के साथ आने वाली चुनौतियों का सामना करें एवं अपने आपको बुराईयों से दूर रखने का प्रयत्न करें। भावी जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाऐं।

जय हिन्द !

शुभेच्छु

(अनुकृति उज्जैनिया)

लक्ष्मण सिंह मण्डा आर. पी. एस.

सहा. निदेशक (इन्डोर)

उप निरीक्षक (प्रशिक्षु) बैच संख्या 42 एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण (बैण्ड) बैच सं. 10 के समस्त प्रशिक्षुगण को अकादमी में प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर मैं हार्दिक बधाई देता हूँ।

यह प्रशिक्षण आपके भावी पुलिस जीवन का आधार है। अकादमी में प्रशिक्षण के दौरान ज्ञान, कौशल एवं आचरण में व्यावसायिक दक्षता में अभिवृद्धि करने के उद्देश्य से वांछित सुधार का प्रयास किया गया है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पुलिस लोक कल्याणकारी एवं प्रजातांत्रिक राज्य का जन चेहरा है, जो आम जन की सुरक्षा एवं नागरिकों के अधिकारों के संरक्षण हेतु उत्तरदायी है। ''आम जन में विश्वास तथा अपराधियों में डर'' का ध्येय वाक्य आपका जीवन संकल्प बनकर जनमित्र पुलिस की अवधारणा को सार्थक बनाने में आपकी मदद करें। कठोर अनुशासन एवं कर्त्तव्य पालन में पूर्ण निष्ठा का भाव आपके आचरण के वे बुनियादी सिद्धान्त है, जिनके सहारे आप पुलिस सेवा में सफलता के शिखर पर पहुँच सकते है। एक पुलिस अधिकारी के जीवन में स्वयं तथा स्वयं के परिवार से पहले उसका कर्त्तव्य होता है। जीवन में जब भी आपका लक्ष्य से भटकाव की स्थिति से सामना हो तो उन संकल्पों को याद कर कर्त्तव्य पथ पर आगे बढ़ना, जो आपने सेवा में प्रवेश करते समय अपने पवित्र मन मन्दिर में संजोये थे। भावी जीवन की सफलता हेतु अनुशासन, कठोर परिश्रम एवं कर्त्तव्यनिष्ठा का भाव अपने आचरण में अपनाये।

मैं आपके उज्ज्वल भविष्य एवं भावी जीवन में सफलता की कामना करता हूँ तथा आशा करता हूँ कि, आप सदैव सकारात्मक भाव से पीड़ित को न्याय दिलाने में सहायता करेंगे।

जय हिन्द।

शुभेच्छु

(लक्ष्मण सिंह मण्डा)

दिलीप सैनी आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (एस सी एण्ड सी ओ ई)

उप निरीक्षक (प्रशिक्षु) बैच संख्या 42 एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण (बैण्ड) बैच संख्या 10 के समस्त प्रशिक्षुगण को राजस्थान पुलिस अकादमी में आधारभूत प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई!

सम्प्रति पुलिस के समक्ष की समस्त चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अकादमी में प्रशिक्षुओं को आउटडोर व इण्डोर के प्रशिक्षकगण द्वारा 'हार्ड स्किल' एवं 'सोफ्ट स्किल' की विभिन्न विधाओं को सिखाया जाता है एवं उनका अभ्यास करवाया जाकर उनकी क्षमताओं में अभिवृद्धि करवाई जाती है एवं साथ ही उन्हें अनुशासन, कर्त्तव्य निष्ठा, संवेदनशीलता, धैर्य एवं देशभक्ति के गुणों से ओतप्रोत किया जाता है। आप सभी प्रशिक्षुगण ने पूर्ण मनोयोग एवं सीखने की भावना के साथ प्रशिक्षण के दौरान हर गतिविधि में उत्साह से भाग लेकर प्रशिक्षण कौशल को सूक्ष्मता से सीखा है एवं अपने आप को उक्त गुणों से युक्त किया है, मैं आपसे कामना करता हुँ कि आप पुलिसकर्मी के रूप में अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन कर पुलिस का सेवाभावी चेहरा आमजन के सामने प्रस्तुत करेंगे एवं पुलिस के प्रति जनता के दृष्टिकोण में सकारात्मक वृद्धि करेंगे।

मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

जय हिन्द।

शुभेच्छु

(दिलीप सैनी)

रणवीर सिंह
पुलिस निरीक्षक

उप निरीक्षक (प्रोबे.) बैच सं. 42 को आधारभूत प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई।

एक वर्ष की प्रशिक्षण अवधि में आप लोगों में सभी विषयों के अध्ययन को लेकर अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। जिज्ञासु प्रवृति ही एक प्रशिक्षणार्थी को सफलता तक ले जाती है। अवांछित कार्य का विचार छोड़ने एवं सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने से हमें स्वतः ही आवश्यक कार्य करने का आत्मबल प्राप्त होता है साथ ही नवीन उत्साह का संचालन होता है। भविष्य में भी आप उत्तरोतर बेहतर प्रदर्शन करें यही मेरी शुभकामना है।

''आप जैसे विचार करेंगे वैसे ही बन जायेंगे, अगर आप अपने को कमजोर मानेंगे तो आप कमजोर बन जायेंगे और यदि आप अपने को ताकतवर मानेंगे तो ताकतवर बन जायेंगे।''

जय हिन्द।

शुभेच्छु

(रणवीर सिंह)

जितेन्द्र कुमार
कम्पनी कमाण्डर

उप निरीक्षक (प्रशिक्षु) बैच संख्या 42 का राजस्थान पुलिस अकादमी में दिनांक 08.01.2016 से आधारभूत प्रशिक्षण प्रारम्भ हुआ। मुझे इस बैच की आउटडोर गतिविधियों को संचालित करने के लिए कोर्स समन्वयक नियुक्त किया गया। हरेक विभाग में नियमित सेवा से पूर्व प्रशिक्षण आवश्यक है, लेकिन पुलिस विभाग के लिए प्रशिक्षण बहुत ही महत्त्वपूर्ण विषय है। प्रशिक्षण से अनुशासन, व्यवहार कुशलता एवं संवेदनशीलता आदि गुणों का विकास होता है। शारीरिक दक्षता प्रशिक्षु के व्यक्तित्व विकास के साथ ही मानसिक दृढ़ता भी प्रदान करती है। प्रशिक्षण के दौरान शारीरिक अभ्यास, परेड, हथियारों से सम्बन्धित ज्ञान, फायरिंग, घुड़सवारी, तैराकी, योग, वाहन चालन इत्यादि का प्रशिक्षण प्राप्त कर आप सभी दक्ष पुलिस अधिकारी के रूप में देश एवं समाज की सेवा के लिए तत्पर रहेंगे। आप सभी को अपना आधारभूत प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई।

मैं आपके स्वस्थ जीवन व उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

जय हिन्द।

शुभेच्छु

(जितेन्द्र कुमार)

करण सिंह

उप निरीक्षक

मुझे राजस्थान पुलिस आरक्षी बैण्ड बैच–10 के इण्डोर कोर्स समन्वयक का दायित्व प्राप्त होने पर अत्यन्त गर्व की अनुभूति हुई। मुझे यह जानकर अपार हर्ष हुआ कि मेरे अधिकाधिक प्रशिक्षणार्थी स्नातक, सीनियर सैकण्डरी, सैकण्डरी उत्तीर्ण हैं एवं उनका बौद्धिक स्तर बहुत अच्छा है। यह प्रशिक्षण उनके आगामी पुलिस जीवन की आधारशिला है तथा सभी प्रशिक्षणार्थियों ने अत्यधिक रूचि लेकर समर्पण भाव से प्रशिक्षण पूरा किया है। अकादमी ने भी इन्हें उत्कृष्ट कोटि का प्रशिक्षण दिया है।

मैं मेरे इन नव आरक्षक साथियों से आग्रह करना चाहूंगा कि पुलिस विभाग का आप वह महत्त्वपूर्ण भाग है जो सबसे ज्यादा आम जनता के सम्पर्क में आता है। प्रशिक्षण के दौरान आपने जो ज्ञान एवं व्यावसायिक कौशल प्राप्त किया है, उसका उपयोग आगामी जीवन में पूर्ण निष्ठा से करें। सुरक्षित समाज के निर्माण में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दें व विभाग की छवि में सकारात्मक सुधार करें।

मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

शुभेच्छु

करण सिंह

(करण सिंह)

पृथ्वीराज

प्लाटून कमाण्डर

कानि. (बैण्ड) राजस्थान पुलिस/आर.ए.सी. बैच नं. 10 एवं कानि. (बैण्ड) सी.आई.एस.एफ. बैच नं. 01 संख्या 45 कुल नफरी 108 का व्यवसायिक बैण्ड प्रशिक्षण दिनांक 07.03.2016/28.03.2016 से चलाया गया। आउटडोर/इण्डोर कोर्स कॉर्डिनेटर का दायित्व प्राप्त होने पर मुझे अत्यंत खुशी हुई एवं कोर्स को पाठ्यक्रम के अनुसार संचालित किया गया तथा सभी प्रशिक्षणार्थियों ने अत्यधिक रूचि लेकर समर्पण भाव से प्रशिक्षण पूरा किया है। मैं मेरे इन नव आरक्षक साथियों से आग्रह करना चाहूंगा कि अपने संगीतमय जीवन को पुलिस विभाग व अपने जीवन में निरन्तर बनाये रखें।

मैं इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

शुभेच्छु

(पृथ्वीराज)

राजस्थान पुलिस अकादमी उत्तरी जोन में सर्वश्रेष्ठ पुलिस अकादमी घोषित

केन्द्रीय गृह मन्त्रालय की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अकादमी की प्रतिस्पर्द्धा में राजस्थान पुलिस अकादमी को उत्तरी भारत की सर्वश्रेष्ठ अकादमी घोषित किया गया है। इस चयन प्रक्रिया में राजस्थान पुलिस अकादमी ने उत्तर जोन के विभिन्न राज्यों यथा जम्मू एवं कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश व दिल्ली की पुलिस अकादमियों से कड़ी प्रतिस्पर्द्धा की।

अन्तिम रुप से राजस्थान पुलिस अकादमी को उत्तरी जोन की सर्वश्रेष्ठ अकादमी घोषित किया गया है। यह चयन अकादमी के निर्धारित मानकों, आधारभूत प्रशिक्षण, रखरखाव तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता के आधार पर किया गया है। इस चयन पर केन्द्रीय गृह मन्त्रालय की ओर से दो लाख रुपये की इनामी राशि आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए प्रदान की जाएगी।

दिनांक 24.11.2016 को महानिदेशक, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, गृह मन्त्रालय भारत सरकार द्वारा जारी विज्ञप्ति में इस आशय की पुष्टि की गई है तथा राजस्थान पुलिस अकादमी को उत्तरी भारत की सर्वश्रेष्ठ अकादमी के चयन की उपलब्धि पर अकादमी के निदेशक श्री राजीव दासोत को बधाई दी है।

अकादमी के निदेशक श्री राजीव दासोत ने उत्तरी जोन की सर्वश्रेष्ठ अकादमी में राजस्थान पुलिस अकादमी के अन्तिम रुप से चयन पर अकादमी के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है तथा अकादमी को राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अकादमी बनाने के सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने का आह्वान किया है।

दक्षिण एशियाई सूफी संगीत महोत्सव में राजस्थान पुलिस के कलाकारों का शानदार प्रदर्शन

गुलाबी नगरी जयपुर में 14 से 16 अक्टूबर 2016 को दक्षिण एशियाई सूफी संगीत महोत्सव डिग्गी पैलेस जयपुर में आयोजित किया गया। इस महोत्सव के समापन सत्र में राजस्थान पुलिस के कलाकारों द्वारा शानदार प्रस्तुतियां दी गई। श्री राजेन्द्र शेखर, पूर्व महानिदेशक पुलिस राजस्थान के मुख्य आतिथ्य तथा महानिदेशक पुलिस श्री मनोज भट्ट सहित पुलिस विभाग के सेवा निवृत्त तथा सेवारत अधिकारियों तथा देश विदेश के सुधि श्रोतागणों की गरिमामय उपस्थिति में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सूफी संगीत जो अमीर खुसरो, कबीर, मीराबाई, बुल्लेशाह जैसे संतो की वाणी को साकार कर आत्मा से परमात्मा के मिलन की अनुभुति करवा कर समर्पण भाव को प्रस्तुत करता है। इसी को साकार करने के लिए आयोजित इस महोत्सव में राजस्थान पुलिस के कलाकारों के प्रदर्शन हेतु राजस्थान पुलिस अकादमी के निदेशक राजीव दासोत के शीर्ष, सफल नेतृत्व तथा मार्गदर्शन में समापन समारोह में प्रस्तुति हेतु कार्ययोजना तैयार की गई। इस कार्ययोजना को मूर्त रुप दिया राजस्थान पुलिस अकादमी के सेन्ट्रल बैण्ड तथा यहां के प्रशिक्षकों तथा प्रशिक्षणार्थियों ने, जिन्होंने पूर्ण मनोयोग से प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम की शुरुआत में राजस्थान पुलिस सेन्ट्रल बैण्ड ने राजस्थान के स्वागत गीत केसरिया बालम की प्रस्तुति देकर सभी मेहमानों का स्वागत किया। इसके पश्चात राजस्थान पुलिस अकादमी के प्रशिक्षक श्री सुबे सिंह ने सुफियाना अन्दाज में ''लागी तुझसे मन की लगन'' प्रस्तुत किया जिसे श्रोताओं द्वारा काफी सराहा गया। इसके पश्चात सेन्ट्रल बैण्ड ने 14वी ं शताब्दी की अमीर खुसरो की रचना '' मौसे नैना मिलाय के '' को आधुनिक रुप में प्रस्तुत किया। तैराकी प्रशिक्षक श्री पूनम शर्मा ने जयदीप गौसाई की रचना '' आज मेरे पिया घर आये '' को काफी आकर्षक रुप में प्रस्तुत किया।

शाहबाज कलन्दर के सम्मान में गाया जाने वाले गीत ''दमादम मस्त कलन्दर'' को जब सेन्ट्रल बैण्ड द्वारा प्रस्तुत किया गया तो श्रोता झूम उठे। कार्यक्रम की अगली कडी में श्री सुबे सिंह ने जयदीप साहनी की रचना ''मौला मेरे मौला'' को प्रस्तुत किया तो पूरा माहौल सूफियाना रुप मे नजर आया।

कार्यक्रम की अन्तिम प्रस्तुति राजस्थान पुलिस अकादमी के बैण्ड प्रशिक्षुओं की टीम ने प्रस्तुत की। पश्चिमी राजस्थान के लंगा – मांगणियार की परम्परा व विरासत को कोजे खान, जबल खान व उनकी टीम ने प्रस्तुत किया। खडताल व मोरचंग की जुगलबन्दी से प्रारम्भ हुई इस प्रस्तुति ने जब ''दमादम मस्त कलन्दर'' की धुन पे गाना प्रारम्भ किया तो सभी श्रोता झूम उठे तथा अनेक श्रोता अपने कदमों को रोक नहीं पाये तथा नाचने लगे। प्रस्तुति की समाप्ति पर सभी श्रोताओं ने खडे होकर इस टीम का अभिवादन किया तथा तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा पाण्डाल गूंज उठा।

पुलिस महानिदेशक श्री मनोज भट्ट, पुलिस महानिदेशक (हाउसिंग) श्री जसवंत सम्पतराम, पूर्व पुलिस महानिदेशक के एस बैंस सहित पधारे सभी अतिथियों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना की तथा राजस्थान पुलिस अकादमी के संयोजन में आयोजित इस शानदार कार्यक्रम के लिए निदेशक श्री राजीव दासोत को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति जोशी द्वारा किया गया।

अकादमी प्रशिक्षकगण

इण्डोर

अकादमी प्रशिक्षकगण

आउटडोर

पुलिस उप निरीक्षक बैच 42 की रचनाएं

हल निकलेगा

'' कोशिश कर, हल निकलेगा ''
आज नहीं तो कल निकलेगा।
अर्जुन के तीर सा सध,
मरूस्थल से भी जल निकलेगा।।
मेहनत कर, पौधो को पानी दे,
बंजर जमीन से भी फल निकलेगा।
ताकत जुटा, हिम्मत को आग दे,
फौलाद का भी बल निकलेगा।।
ज़िन्दा रख, दिल में उम्मीदों को,
गरल के समन्दर से भी गंगाजल निकलेगा।
कोशिशें जारी रख, कुछ कर गुजरने की,
जो है आज थमा–थमा सा, चल निकलेगा।।
कोशिश कर हल निकलेगा।

हरिओम मीणा
बैच संख्या–42
उप निरीक्षक (प्रोबे.) 42

खुशी का मंत्र

जीवन में परेशानियाँ चाहे जितनी हो,
चिन्ता करने से और ज्यादा होती है
खामोश होने से बिल्कुल कम.....
सब्र करने से खत्म हो जाती है।
और यदि ईश्वर का आशीर्वाद हो
तो खुशियों में बदल जाती है।

राम अवतार बैरवा
उप निरीक्षक (प्रोबे.) बैच सं. 42
जिला – करौली
आवंटित जिला–भरतपुर।

शहीदों के दीवाने

हिन्दू, सिक्ख, मुसलमान नहीं हो हमारी निशानी,
ना गुजराती, ना मराठी, ना मैं हूँ राजस्थानी।
जब कोई पूछे कौन हो तुम,
तो गर्व से बोलो मैं हूँ हिन्दुस्तानी।
देश के लिए जियो मरो ताकि याद रखे कई जमाने।
हम है शहीदों के दीवानें
हम जगते है दिन और रातों को,
हम सीने पर सहते है दुश्मन के घातों को।
देश सेवा के लिए,
हम भूल जाते है रिश्ते और नातों को,
जो आग से ना जले हम है वो परवाने।
हम है शहीदों के दीवानें।
हंसते–हंसते मैं शहीद हो जाता हूँ,
ओढ़ के तिरंगे का कफन मैं माँ की गोद में सो जाता हूँ
सुनके गद्दारों की बातें,
कब्र में ही फफक–फफक के रो जाता हूँ।
सब मिलकर गाओं देशभक्ति के तराने।
हम है शहीदों के दीवाने, हम है शहीदों के दीवाने।।
कहता है एस.आई. ओमप्रकाश युद्ध घनघोर होगा,
हर तरफ देशभक्ति नारों का शोर होगा।
तू कश्मीर की बात करता है,
कब्जे में हमारे लाहौर होगा।
काम नहीं आयेंगे तेरे चीन के याराने,
हम है शहीदों के दीवाने,
हम है शहीदों के दीवाने।।

ओमप्रकाश चौधरी
उप निरीक्षक (प्रोबे.) 42

पुलिस का असली चेहरा

यह किसी समाचार पत्र की सुर्खियां नहीं है बल्कि मेरा साक्षात व्यक्तिगत अनुभव है जो इस अकादमी में कदम रखने से लेकर वापसी तक की जीवंत दास्तां है। शुरू में आते–आते ही पूर्व बन्धुओं ने कुछ एहतियाति सुझाव जैसे काली गाड़ी, डायरी वाले साहब आदि से जहाँ तक हो सके बचकर रहना और हमने भी इसे गाँठ बाँध ली और हरसंभव प्रयास करते कि उनके सामने जाने से बचे। परंतु मध्यावधि पश्चात् एक ऐसी घटना घटी कि मेरी पूर्व धारणाएं न केवल गलत साबित हुई बल्कि मुझे एक ऐसी सीख भी दे गयी कि बाहर से कितने भी कठोर और अनुशासित नजर आने वाले व्यक्ति में भी प्यार और मानवीयता गहराई तक सनी रहती है। हुआ यों कि मैं भी उन दिनों जयपुर में फैले डेंगू ज्वर की चपेट में आ गया। मेरी प्लेटलेट्स काफी गिर गई व मुझे गहन निगरानी में भर्ती कर दिया। जब डॉक्टर ने कहा कि प्लेटलेट्स चढ़ानी पड़ेगी तो मेरे स्क्वॉड उप निरीक्षक (प्रोबे) 42, बैण्ड स्क्वॉड व आउटडोर स्टॉफ ने मेरे लिए जो भाग दौड़ की वैसी शायद अच्छे–अच्छे परिवारजन भी न कर सकें। खून देने के लिए गाड़ी भर–भर कर आना, हॉस्पिटल में ही 24x7 ड्यूटी लगा देना, प्रशिक्षुओं से मेरे स्वास्थ्य लाभ के लिए दुआएँ करने की अपील करना, यह सब मुझे एक सपने जैसा लग रहा है परन्तु यह एक सच्चाई है। ऐसी सच्चाई जिसने मेरी पूरी अभिवृति ही बदल डाली। सच में दोस्तों पुलिस का बाहरी सख़्त चेहरा उसके कर्त्तव्य का ही एक भाग है वरना् दिल तो उनका भी किसी ममतामयी माँ, कलाकार या बच्चे से कम कोमल नहीं होता।

जय हिन्द ! जय भारत !

राजेन्द्र ताडा
उप निरीक्षक (प्रोबे.) बैच संख्या 42
गृह जिला – नागौर
आवंटित जिला – भीलवाड़ा

बचपन की वो कागज की कश्ती

बारिश के पानी से समंदर तक,
छोटी चुनौतियों से बड़े बवंडर तक,
मीलों का सफर तय कर आई है.....
बचपन की वो कागज की कश्ती, काफी दूर चल आई है .....

लहरों से स्थिरता, मकामों से उम्मीद,
तूफानों से साहस लिए
अनुभवों की बुनियाद पे हमेशा कुछ नया सीखती आई है.....
बचपन की वो कागज की कश्ती, काफी दूर चल आई है .....

बहुत मिले राह में साथी हमसफर,
थोड़ी देर साथ चले, फिर थामी अपनी डगर,
कुछ को साथ लिए, कुछ को पीछे छोड़ आई है.....
बचपन की वो कागज की कश्ती, काफी दूर चल आई है .....

राजेन्द्र ताडा
उप निरीक्षक (प्रोबे.) बैच संख्या 42
गृह जिला – नागौर
आवंटित जिला – भीलवाड़ा

एक एहसास

रात भर गहरी नींद आना इतना आसान नहीं,
उसके लिए दिनभर ईमानदारी से जीना पड़ता है।

जो बिना ठोकर खाए मंजिल तक पहुंच जाते हैं
उनके हाथ अनुभव से खाली रह जाते हैं।

सुशीला मीणा
उप निरीक्षक (प्रोबे.) बैच सं. 42

आर.पी.ए. बड़ा अलबेला

बराबर है यहाँ हर इंसान,
खुश होते है यहाँ सब, चाहे दीवाली हो या रमजान।
सबसे ऊपर यहाँ, देश का सम्मान,
नहीं है कोई जात–पाँत का झमेला।
आर.पी.ए. बड़ा अलबेला–आर.पी.ए. बड़ा अलबेला ।।

सबसे पहले फॉल इन हो जा मेरे यार,
हर चीज में करवाते है, एक, दो, तीन, चार।
अनुशासन तोड़ा तो फ्रण्टरोल तैयार।
उठते है यहाँ सब, जब हो भोर की बेला।
आर.पी.ए. बड़ा अलबेला–आर.पी.ए. बड़ा अलबेला ।।

पीटी परेड है, यहाँ सबसे प्यारी,
जो दूर करती है, शरीर की बीमारी।
पी.टी., परेड, दौड़ करते है, यहाँ हर नर और नारी,
जरूरी सामान भरकर हाथ में रखो थैला।
आर.पी.ए. बड़ा अलबेला–आर.पी.ए. बड़ा अलबेला ।।

साफ–सफाई पर है यहां पूरा ध्यान,
मना है गुटखा, तम्बाकू, बीड़ी और पान।
यहाँ आकर धन्य हो गया, प्रभु चौहान,
हर दम रहता है यहाँ खुशियों का मेला।
आर.पी.ए. बड़ा अलबेला–आर.पी.ए. बड़ा अलबेला ।।

प्रभुराम
उप निरीक्षक (प्रोबे.) बैच सं. 42

पथ भूल न जाना पथिक कहीं

''पथ भूल न जाना पथिक कहीं,
पथ में काँटे तो होंगे ही
दूर्वादल–सरिता सर होंगे,
सुंदर गिरी–वन–वापी होंगे,
सुंदर–सुंदर निर्झर होंगे।
सुंदरता की मृग तृष्णा में ,
पथ भूल न जाना पथिक कहीं।
जब कठिन कर्म पगडंडी पर,
राही का मन उन्मुख होगा,
जब सपने सब मिट जायेंगे,
कर्त्तव्य मार्ग सम्मुख होगा।
तब अपनी प्रथम विफलता में,
पथ भूल न जाना पथिक कहीं।
रणभेरी सुन, कह, विदा, विदा
जब सैनिक पुलक रहें होंगे,
हाथों में कुमकुम थाल लिए,
कुछ जलकण ढुलक रहें होंगे।
कुछ मस्तक कम पड़ते होंगे,
जब महाकाल की माला में,
माँ मांग रही होगी आहुति,
जब स्वतंत्रता की ज्वाला में।
पल भर भी पड़ असमंजस में,
पथ भूल न जाना पथिक कहीं।

राजेन्द्र सिंह
उप निरीक्षक (प्रोबे.) –42
मो. नं. – 9461815467

Life is name of courage and conviction.
We can fight our fears with constant
practice and through the practice
learn to excel in our skills.
The cadets are displaying their skill
to the examination board.
They determined to hone their skills
under the guidance of their instructors.
They also deserve the praise for performance
of these cadets.

Fighting Fears

Lord I ask for Courage
Courage to face and Conquer my own fears
Courage to take me where other will not go
I ask for strength

Strength of body to protect other
and strength of Spirit to lead others
I ask for dedication

Dedication to my job, to do it well
Dedication to my Community to keep it safe
Give me Lord, Concern
for others who trust me
and compassion for those who need me
and please Lord

through it all
Be at my side

Dhirendra Singh
SI (P) Batch No. 42

Our New Year Chemistry

Let's welcome the New Year taking a vow that nationality shall be our new religion and constitution of India shall be our new holy book and also that our caste, creed and area shall not over shadow it.

Let's welcome the New Year with an approach of transformation and not just for reformation.

Let's welcome the New Year with a pledge to serve the way creating fear among the perpetrators of crime and faith among the common man.

Let's welcome the New Year to develop a bond of friendliness, fondness and togetherness and treat every fellow citizen in true constitutional spirit with a concerted awareness of not encroaching upon his civil liberties.

Let's welcome the New Year with a promise to maintain absolute integrity, devotion to duty and doing nothing which is unbecoming of us as a police officer.

Let's welcome the New Year with a thinking that our sole concern and concentration shall be on addressing the problems of public and not on grabbing the facilities and also not abusing our official position and further the dignity of the post shall be maintained at all cost.

Let's welcome the New Year with a strong nation that all govt. agencies are for the welfare of the public and the approach to rule is to be abandoned and desire to serve is to be adopted. Sleazy wheeling and dealing, shoddy probe, negligence of duty, arrogant behaviour, injustice and third degree methods invite public abhorrence and action under the conduct rules and law of the land. Therefore, a feeling to serve with honesty and impartiality, proactive policing, quality investigation, feeling of empathy and gentleman's behaviour is required and would change the vox pop and create an atmosphere of TRUST.

We need to inculcate the above spirit because of the TRUTH.

''दण्डः शास्ति प्रजाः सर्वाः, दण्डः एवाभि रक्षितः।
दण्डः सुप्तेषु जागतिः दण्डम् धर्म विदुर्भुदाः।।''

(The law governs and protects all, when people sleep law awakes. Therefore, wise men call law as to be religion.)

So, let's resolve on New Year to have a chemistry of solid compound of TRUTH AND TRUST and also to serve the fellow citizens with better commitment of service to them.

Jagdish Poonia, RPS

आरक्षीगण बैण्ड की रचनाएं

बढ़ो जवानो

बढ़ो जवानो.....
बढ़ो जवानो.....
बढ़ो जवानो बढ़ो जवानो तुम्हीं देश की हिम्मत हो, तलवार हो,
तुम्हीं देश की आजादी के रक्षक, पहरेदार हो,
एक रक्षक पहरेदार हो,
बढ़ो जवानो.....

कौन तुम्हारे सम्मुख आये, कौन तुम्हारे सम्मुख आये,
किसमें दम तुमसे टकराये.....
किसमें दम तुमसे टकराये.....
आग छिपाये छाती में,
आग छिपाये छाती में,
तुम भीषण पर वार हो,
तुम भीषण पर वार हो.....
बढ़ो जवानो.....

तुमसे आजाद वतन है, तुमसे आजाद वतन है !
फूलों से गुलजार चमन है,
तुमसे आजाद वतन है फूलों से गुलजार चमन है !
आज हमारी आजादी में,.....
आज हमारी आजादी में एक रक्षक पहरेदार है,
एक रक्षक पहरेदार है।
बढ़ो जवानो.....
बढ़ो जवानो.....

सीमा बुकण
बैच सं. – 63 (10)
बेल्ट नं. 2569
भर्ती जिला – अजमेर

देशभक्ति भरी पुकार

आप जैसे देशभक्तों से ही इस देश की पहचान है,
आप जैसे देशभक्त ही इस देश की आन–बान और शान है,
और जिस देश की धरती पर आप जैसे लोग रहते है दोस्तों,
उसी सरजमीं का नाम हिन्दुस्तान है ।।

काश मेरी ज़िन्दगी में सरहद की कोई शाम आये,
काश मेरी ज़िन्दगी मेरे वतन के काम आये,
ना खौफ है मौत का, और ना आरजू है जन्नत की यारों,
पर जब भी हो जिक्र उन शहीदों का,
काश मेरा भी उनमें नाम आये ।।

खुशनसीब होते है वो लोग ,
जो इस देश पर कुर्बान होते है।
जान देकर भी वो लोग अमर हो जाते है,
करते है सलाम उन देशप्रमियों को,
जिनके कारण इस तिरंगे का मान होता है।।

आओ झुक कर सलाम करें उनको,
जिनके हिस्से में ये मुकाम आता है।
अरे खुशनसीब होता है वो खून,
जो देश के काम आता है।

हम तो घर से ही थे निकले बाँधकर सर पर कफन,
ज़ाँ हथेली पर लिए लो बढ़ चले है ये कदम,
ज़िन्दगी तो अपनी मेहमान मौत की महफिल में है,
सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है।।

जय हिन्द, जय हिन्दुस्तान।

राकेश कुमार बारेठ
बेल्ट नं. 1568
भर्ती जिला – कोटा शहर
बैच सं. 63(10)

खाकी वर्दी के लिए

गर्व करो इस वर्दी पर सब पर यह रंग नहीं खिलता,
किस्मत के बिना इस दुनिया में खाकी परिधान नहीं मिलता।

इस खाकी वर्दी के लिए एटी वन (81) का सीना चाहिए,
पाँच अलग से फूले भी, घुटना भी न जुड़ना चाहिए।

वो कदम बराबर सधे हुए और आँख, कान भी ठीक–ठाक,
इन सब खूबी के बावजूद भी घोड़े सा उड़ना चाहिए।

चौड़ी छाती ऊंचे ललाट बिन ये सम्मान नहीं मिलता,
किस्मत के बिना इस दुनिया में खाकी परिधान नहीं मिलता।

क्या सोचा तुमने ईश्वर ने तुम पर, क्यूं ये उपकार किया,
क्यूं जन्म दिया इस दुनिया में और हर सैनिक का आधार दिया।

समीर खाँ
भर्ती जिला – आरपीटीसी जोधपुर
बेल्ट नं. 133

आर.पी.ए.

मैं जब सर्वप्रथम आर.पी.ए. आया तो ऐसा लगा कि यहाँ पर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं लेकिन जब मुझे राजस्थान पुलिस अकादमी (आर.पी.ए.) की हकीकत का पता चला तो मुझे लगा कि इस ट्रेनिंग सेन्टर जैसा कोई ट्रेनिंग सेन्टर नहीं हैं। यहाँ पर पुलिस की ट्रेनिंग बहुत ही अच्छी दी जाती है। आर.पी.ए. एक ऐसा ट्रेनिंग सेन्टर हैं जहाँ पर अच्छी सुख–सुविधाओं के साथ–साथ अनुभवी पुलिस अधिकारियों द्वारा बहुत ही अच्छी ट्रेनिंग दी जाती है। कान्स्टेबल रैंक से लेकर ए.डी.जी. तक के अधिकारियों के मध्य स्नेह और प्रेम यहाँ की प्रमुख विशेषता है और सभी अधिकारी मिलजुल कर बहुत ही अच्छा काम तथा अच्छा व्यवहार करते है। यहाँ पर हमें शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत किया जाता है।

मंजिले उनको मिलती है,
जिनके सपनों में जान होती है।

पंखों से कुछ नहीं होता,
हौसलों से उड़ान होती है।

स्वरूप खान
बेल्ट नं. – 2584
बैच सं. – 63 (10)

समय की रेत पर छोड़ते चला निशान

तुम समय की रेत पर,
छोड़ते चलो निशान
देखती जमी देखता आसमां।

तुम समय की रेत पर,
तुम समय की रेत पर।

लिखते चलो नौजवानों,
नित नई कहानियाँ
तुम मिटा दो ठोकरों से जुल्मी निशानियाँ।

कल कि तुम मिसाल हो,
सबसे बेमिसाल हो।

तिनके–तिनके को बना दो,
ज़िंदगी का आशियाँ
तुम समय की रेत पर।

ये निशान एक दिन
जहान का अमन बने
ये निशान एक दिन,
प्रतीका चमन बने।

हँसते हुए हमसफर
गाते चलो हो निडर.....

अशोक कुमार
भर्ती जिला – आर.पी.टी.सी. जोधपुर।
बेल्ट नं. – 146
बैच सं. – 63

गाना तो हम भी गा सकते हैं

गाना तो हम भी गा सकते हैं
मगर वो आवाज नहीं,

बजा तो हम भी सकते है
मगर वो क्लासिकल साज नहीं

कौन कहता है कि ताजमहल शाहजहाँ ने बनवाया
बना तो हम भी सकते हैं, मगर वो मुमताज नहीं।

नीम का पेड़ चन्दन के पेड़ से कम नहीं,
ये हमारा राजस्थान लन्दन से कम नहीं।

सोने की धरती जठे चाँदी रो आसमान,
रंग रंगीलो रस भरयो, म्हारो प्यारो राजस्थान।

ढोला थारे देश में नीपजे तीन रत्न,
एक ढोला, दूजी मारूण, तीजो करियो कसुंबल रंग।

ढोला तेसो ढोर भलो, चरे वन रो घास,
साज पड़े दिन आधवे, करे घरा री आस।

कागा सब तन खाइयो, चुन–चुन खाइयो मांस,
दो नैना मत खाइयो, मोहे पिया मिलन की आस।

कोजे खान
बेल्ट नं. – 2582
बैच संख्या – 63

एक नया इतिहास

एक नया इतिहास लिखो,
मोह, निद्रा में सोने वालों अब भी वक्त है जाग जाओ।
इसमें पहले कि तुम्हारी यह नींद राष्ट्र को ले डूबे,
जाति–पाँति में बंटकर देश का बन्टाधार करने वालों,
अपना हित चाहते हो तो अब भी एक हो जाओ ।

भाषा के नाम पर लड़ने वालों,
हिन्दी को जग का सिरमौर बनाओ,
राष्ट्रहित में कुछ तो बलिदान करो तुम।
इससे पहले कि राष्ट्र फिर गुलाम बन जाए।

आधुनिकता केवल पहनावे से नहीं होती है,
ये बात अब भी समझ जाओ तुम,
फिर कभी कहीं कोई भूखा न सोये,
कोई ऐसी क्रांति ले आओ तुम।

भारत में हर कोई साक्षर हो,
देश को ऐसा पढ़ाओ तुम।
अगर आजादी को बचाना चाहते हो तो,
देश के लिए लहू बहाना होगा।
जो देश की खातिर जीते–मरते है,
उनके आगे अपना शीश झुकाना होगा।

जो चाहते हो जय हिन्द का नारा बुलंद रहे,
तो तुम्हें सुभाष बन जाना होगा।
अगर अकबर को उसकी औकात दिखानी है,
तो खुद को प्रताप बनना होगा,
मुगलों से लोहा लेना है तो शिवाजी बनकर आना होगा।
गौरी को मौत की नींद सुलानी है तो पृथ्वीराज सा बाण चलाना होगा।
अगर अंग्रेजो के छक्के छुड़ाने हो तो लक्ष्मी बाई बन जाना होगा।
कभी मंगल, कभी भगत तो कभी आजाद बनकर धरती पे आना होगा।
जाति, धर्म देखे बिना देशद्रोहियों को अपने हाथों से मिटाना होगा।
नई पीढी को अभिमन्यु सा, गर्भ में देशभक्ति का पाठ पढाना होगा।

तुम्हे व्यक्तिवाद छोड़कर राष्ट्रवाद अपनाना होगा।
हर व्यक्ति में भारतीय होने का स्वाभिमान जगाना होगा,
लोकतंत्र को सत्ता लोलुपों से मुक्त कराना होगा।
देशभक्ति को भारत का सबसे बड़ा धर्म बनाना हो,
वीरता की परम्परा को आगे बढाना होगा।
हर भारतीय को देश के लिए जीना सीखाना होगा।

रेखा
बेल्ट नं. 2632
स्क्वॉड नं. 3

राजस्थान पुलिस उप निरीक्षक बैच - 42 प्रोफाईल

क्र. सं.	नाम–पिता / पति का नाम	जन्म तिथि	शैक्षणिक योग्यता	ग्राम / गृह जिला	पदस्थापन जिला	पूर्व नियोजन
1.	अनिता वर्मा / श्री भूपेन्द्र वर्मा	08.10.1984	M.A., B.Ed	कोटा	बूंदी	
2.	हरिओम मीणा / प्रताप सिंह मीणा	02.07.1989	M.A.	उदयपुर	सिरोही	
3.	राम अवतार बैरवा / श्री भजन लाल	05.06.1983	M.A. B.Ed	करौली,	भरतपुर	तृतीय श्रेणी शिक्षक
4.	धीरेन्द्र सिंह / श्री हरिसिंह	12.07.1987	B.A.	भरतपुर	जयपुर (ग्रा.)	
5.	विवेक हरसाना / श्री कुलराज सिंह	30.07.1984	B.D.S. Doctor	धौलपुर	भरतपुर	
6.	सुशीला / श्री महेन्द्र कुमार	07.03.1983	M.A.	चूरू	श्रीगंगानगर	राजस्थान पुलिस में आरक्षी
7.	प्रभुराम / श्री भाखराराम	06.12.1986	M.A., B.Ed, NET	जालौर	सिरोही	राज. पुलिस में आरक्षी / शिक्षक
8.	नोवेल कुमार सैनी / श्री फूल सिंह	27.09.1980	M.A.	भरतपुर	स. माधोपुर	माध्यमिक शिक्षा विभाग में एलडीसी
9.	राजेन्द्र ताड़ा / श्री रामदेव ताड़ा	07.07.1985	B.Sc., M.A. B.Ed	नागौर	भीलवाड़ा	तृतीय श्रेणी शिक्षक
10.	राजेन्द्र सिंह / श्री भोपाल सिंह	23.03.1986	बी फार्मा	झुन्झुनू	चूरू	उप निरीक्षक (इन्टै. ब्यूरो)
11.	अनिता चौधरी / श्री छीतरमल	08.10.1989	M.A.	जयपुर	सीकर	पुलिस आरक्षी (आरएसी)
12.	ओमप्रकाश चौधरी / श्री डालूराम	01.01.1983	M.A.	जालोर	जैसलमेर	वरिष्ठ अध्यापक
13.	महेन्द्र सिंह / श्री मोहन सिंह	23.09.1985	M.A. B.Ed	भरतपुर	करौली	तृतीय श्रेणी शिक्षक
14.	मधु कवँर / नवीन कुमार मण्डलोई	23.09.1985	Msc, B.Ed	जोधपुर	प्रतापगढ़	
15.	गम्भीर सिंह / श्री देवेन्द्र सिंह	08.03.1988	M.A. B.Ed	भरतपुर	धौलपुर	पुलिस आरक्षी
16.	सपना / श्री अनिल पूनियाँ	02.01.1988	बी.ए.	झुन्झुनू		हैड कान्स्टेबल

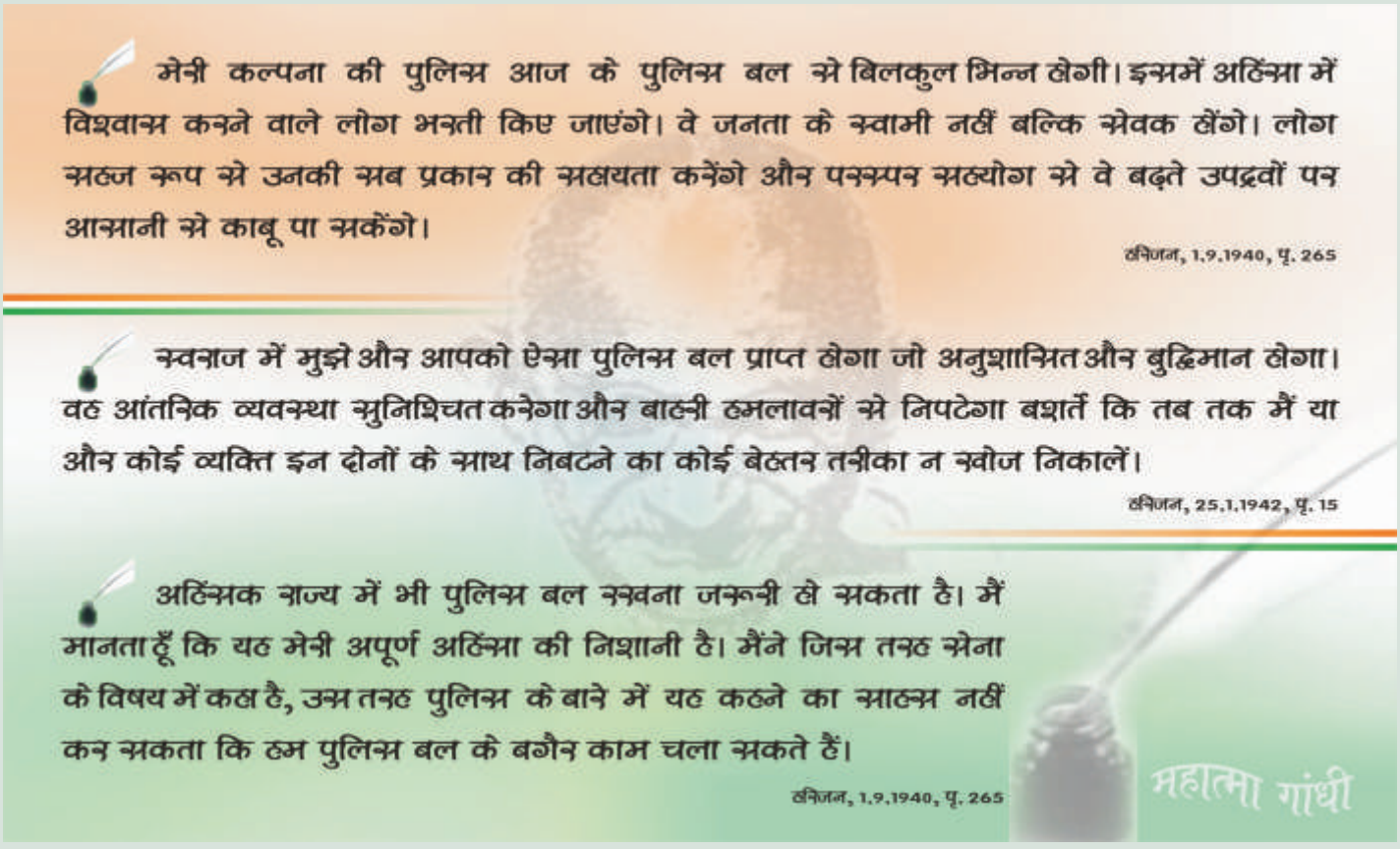

नाम	विवेक हरसाना
पिता का नाम	श्री कुलराज सिंह
माता का नाम	किशनवती
पति/पत्नि का नाम	प्रीति
शैक्षणिक योग्यता	B.D.S.
पूर्व अनुभव	–
अभिरूचि	खेल में
स्थाई पता	ग्राम पोस्ट–बिरामपुर हवेली, तह. बाड़ी वाया–बसेड़ी, जिला–धौलपुर
गृह जिला	धौलपुर
फोन नम्बर	9887261666
ई मेल आई डी	drvivekharshana1510@gmail.com

नाम	सुशीला
पिता का नाम	श्री महावीर प्रसाद
माता का नाम	श्रीमती बिमला देवी
पति/पत्नि का नाम	श्री मेहन्द्र कुमार
शैक्षणिक योग्यता	M.A.
पूर्व अनुभव	राजस्थान पुलिस में आरक्षी वर्ष 2006 से
अभिरूचि	किताबें पढ़ना
स्थाई पता	वार्ड नं. 15, सरदार शहर जिला चुरू (राज.)
गृह जिला	चुरू
फोन नम्बर	7062321994, 9057058101
ई मेल आई डी	meenasushila84@gmail.com

नाम	प्रभुराम
पिता का नाम	श्री भाखराराम
माता का नाम	श्रीमती मिरगा देवी
पति/पत्नि का नाम	श्रीमती मोहनी
शैक्षणिक योग्यता	M.A., B.Ed., NET
पूर्व अनुभव	राजस्थान पुलिस में आरक्षी एवं तृतीय श्रेणी शिक्षक
अभिरूचि	पत्र पत्रिका पढ़ना
स्थाई पता	ग्राम –काछेला, तह. चितलवाना, जिला –जालौर
गृह जिला	जालौर
फोन नम्बर	9414125394
ई मेल आई डी	p.r.chouhan1730@gmail.com

नाम	नोवेल कुमार सैनी
पिता का नाम	श्री फूल सिंह सैनी
माता का नाम	श्रीमती रामप्यारी
पति/पत्नि का नाम	श्रीमती ममता
शैक्षणिक योग्यता	M.A.
पूर्व अनुभव	माध्यमिक शिक्षा विभाग में एलडीसी वर्ष 2013 से
अभिरूचि	पढ़ना
स्थाई पता	कल्ला गोला, भुसावर, जिला–भरतपुर (राज.) पिन–321406
गृह जिला	भरतपुर
फोन नम्बर	9887155765
ई मेल आई डी	novelsaini@gmail.com

नाम	राजेन्द्र ताड़ा
पिता का नाम	श्री रामदेव ताड़ा
माता का नाम	श्रीमती पप्पु देवी
पति/पत्नि का नाम	श्रीमती रामशिवरी
शैक्षणिक योग्यता	B.Sc., M.A. B.Ed.
पूर्व अनुभव	तृतीय श्रेणी शिक्षक 8 वर्ष तक
अभिरूचि	अपनों के बीच वक्त गुजरना
स्थाई पता	मु.पो. मोरारा, तह. मेड़ता सिटी, जिला–नागौर पिन– 341510
गृह जिला	नागौर
फोन नम्बर	9636521292
ई मेल आई डी	rajendratada85@gmail.com

नाम	राजेन्द्र सिंह
पिता का नाम	श्री भोपाल सिंह
माता का नाम	श्रीमती पुष्पा देवी
पति/पत्नि का नाम	श्रीमती सीमतिंनी कँवर
शैक्षणिक योग्यता	बी फार्मा
पूर्व अनुभव	03 वर्ष उप निरीक्षक इन्टैलीजेंस ब्यूरो
अभिरूचि	किताबें पढ़ना, गिटार बजाना, बागवानी करना
स्थाई पता	वार्ड नं0 12, बिसाऊ, जिला–झुन्झुनू
गृह जिला	झुन्झुनू
फोन नम्बर	9461815467
ई मेल आई डी	raj25karnikripa@gmail.com

नाम	अनीता चौधरी
पिता का नाम	श्री छीतरमल चौधरी
माता का नाम	श्रीमती कोशल्या देवी
पति/पत्नि का नाम	–
शैक्षणिक योग्यता	M.A.
पूर्व अनुभव	पुलिस आरक्षी आरएसी 2008 से
अभिरूचि	–
स्थाई पता	ग्राम–नारदपुरा, पोस्ट–नाटाटा तह. जमवा रामगढ़, जयपुर
गृह जिला	जयपुर
फोन नम्बर	9461823265
ई मेल आई डी	

नाम	ओमप्रकाश चौधरी
पिता का नाम	श्री डालूराम चौधरी
माता का नाम	श्रीमती वीरा देवी
पति/पत्नि का नाम	श्रीमती गोमती देवी
शैक्षणिक योग्यता	M.A.
पूर्व अनुभव	वरिष्ठ अध्यापक
अभिरूचि	खेल
स्थाई पता	ग्राम पोस्ट –सेवाड़ा, तह. रानीवाड़ा, जिला0 जालोर राज. पिन – 343040
गृह जिला	जालोर
फोन नम्बर	9928300488
ई मेल आई डी	op.jat3610@gamil.com

नाम	महेन्द्र सिंह
पिता का नाम	श्री मोहन सिंह
माता का नाम	श्रीमती केशवती देवी
पति/पत्नि का नाम	श्रीमती शशि चौधरी
शैक्षणिक योग्यता	M.A.
पूर्व अनुभव	तृतीय श्रेणी शिक्षक 03 वर्ष
अभिरूचि	—
स्थाई पता	ग्राम–नरावना कटता, पोस्ट–पान्हौरी, तह0 डीग, भरतपुर 321203
गृह जिला	भरतपुर
फोन नम्बर	7222833744
ई मेल आई डी	0001msc@gamil.com

नाम	मधु कवँर राजपुरोहित
पिता का नाम	श्री गोपाल सिंह राजपुरोहित
माता का नाम	श्रीमती शकुन्तला राजपुरोहित
पति/पत्नि का नाम	नवीन कुमार मण्डलोई
शैक्षणिक योग्यता	Msc, B.Ed.
पूर्व अनुभव	—
अभिरूचि	किताबें पढ़ना, गाने सुनना
स्थाई पता	पी–59, आदर्श नगर, लालसागर, मण्डोर रोड़, जोधपुर
गृह जिला	जोधपुर
फोन नम्बर	9649082504, 0291–2572644
ई मेल आई डी	

नाम	गम्भीर सिंह कसाना
पिता का नाम	श्री देवेन्द्र सिंह
माता का नाम	श्रीमती भगवान देवी
पति/पत्नि का नाम	—
शैक्षणिक योग्यता	M.A. B.Ed.
पूर्व अनुभव	पुलिस आरक्षी वर्ष 2008 से
अभिरूचि	सामाजिक कार्य
स्थाई पता	ग्राम पोस्ट–नरहरपुर, तह. वैर जिला भरतपुर
गृह जिला	भरतपुर
फोन नम्बर	9414486556
ई मेल आई डी	gskgurjar1988@gmail.com

नाम	सपना
पिता का नाम	श्री रूपचन्द
माता का नाम	श्रीमती सुशिला
पति का नाम	श्री अनिल पूनियाँ
शैक्षणिक योग्यता	बी.ए.
पूर्व अनुभव	कानिस्टेबल 2008 से
अभिरूचि	एथलेटिक्स
स्थाई पता	जी–813 गांधी नगर जयपुर 302015
गृह जिला	झुन्झुनू
फोन नम्बर	9460615252, 9530426827
ई मेल आई डी	sapanapooniaracewalk@gmail.com

प्रशिक्षण की झलकियां

55
52
53
54
56
62
61
63
61
58

123
121
130
DI

The more you sweat in TRAINING, the less you bleed in BATTLE

There is something wrong with your character if OPPORTUNITY controls your LOYALTY

हौंसलों की उड़ान ऐसी
जिसने ओलम्पिक तक का सफर तय किया

राजस्थान पुलिस अकादमी की
उपनिरीक्षक प्रशिक्षु सपना

राजस्थान पुलिस कान्स्टेबल (बैण्ड), बैच संख्या-10 प्रोफाईल

क्र.सं.	नाम/पिता का नाम	बै.नं.	भर्ती जिला	गृह जिला	मोबाईल नं.
1.	श्री महेश राणा/श्री भंवर लाल	1901	बीकानेर	बीकानेर	8441871487
2.	श्री मुरारी सिंह शेखावत/श्री बिहारी सिंह	5410	आयुक्तालय, जयपुर	जयपुर	7688800035
3.	श्री रवि कुमार गुर्जर/श्री मांगी लाल	5402	आयुक्तालय, जयपुर	जयपुर	8104082024
4.	श्री सलीम खां /श्री उम्मेद खां	1093	तृतीय आरएसी, बीकानेर	जैसलमेर	9929242566
5.	श्री मनोज कुमार/श्री रामपाल	1094	तृतीय आरएसी, बीकानेर	कोटा	7742927551
6.	श्री अशोक कुमार/श्री धनश्याम लाल	1088	तृतीय आरएसी, बीकानेर	भीलवाडा	9785333651
7.	श्री सत्यनारायण ढोली/श्री मुरलीधर	1925	बीकानेर	जोधपुर	9660260077
8.	श्री राकेश पंवार/श्री सत्यनारायण	1570	कोटा शहर	पाली	9785342419
9.	श्री विनोद कुमार नगांरची/श्री सुन्दर लाल	104	पीटीएस, खैरवाड़ा	उदयपुर	9829968177
10.	श्री गौतम परिहार/श्री ओम प्रकाश	1512	जयपुर ग्रामीण	जयपुर	9799506873
11.	सुश्री रेखा देवी/श्री जगदीश	2632	जोधपुर शहर	जोधपुर	8769936298
12.	श्री कुन्दन/श्री जगदीश प्रसाद	1513	जयपुर ग्रामीण	पाली	7891825700
13.	श्री सुनील कुमार मीना/श्री हीरा सिंह	136	प्रथम् आरएसी, जोधपुर	भरतपुर	9887945846
14.	श्री दीपक राव/श्री शम्भुराम	1571	कोटा शहर	भीलवाडा	8104677847
15.	श्री मुस्ताक खान/श्री सदीक खां	135	प्रथम् आरएसी, जोधपुर	जैसलमेर	8890855046
16.	श्री यार मोहम्मद/श्री बाबुखान	132	प्रथम् आरएसी, जोधपुर	जैसलमेर	9602647740
17.	श्री कैलाश कुमार/श्री पप्पू राम	127	प्रथम् आरएसी, जोधपुर	जोधपुर	7073346465
18.	श्री जीवराज राणा श्री सोना राम	1090	तृतीय आरएसी, बीकानेर	नागौर	8003963084
19.	श्रीमती कन्तु जाट/श्री पप्पू लाल चौधरी	1575	कोटा शहर	जयपुर	9799106994
20.	श्री बसन्त दमामी/श्री बाबुराम दमामी	1601	कोटा शहर	कोटा	9772473839
21.	श्री राकेश कुमार बारेठ/श्री रतन लाल	1568	कोटा शहर	भीलवाड़ा	8769352616
22.	श्री विष्णु/श्री बस्ती राम	1924	बीकानेर	नागौर	9660603690
23.	सुश्री सीमा बुकण/श्री भैरूलाल	2569	अजमेर	भीलवाड़ा	8385057425
24.	श्री गोविन्द परिहार/श्री ओम प्रकाश	5407	आयुक्तालय, जयपुर	जयपुर	8963045651
25.	श्री भूरे खां/श्री सवाई खां	1514	जयपुर ग्रामीण	जैसलमेर	9799358970
26.	श्री महावीर मीणा/श्री प्रभू लाल	1194	कोटा ग्रामीण	कोटा	8104230148
27.	श्री बिशन सिंह/श्री तीर्थ राज सिंह	1191	कोटा ग्रामीण	कोटा	8741033327
28.	श्री मठार खान/श्री जवरूखान	134	प्रथम् आरएसी, जोधपुर	जैसलमेर	9587029837
29.	श्री मनोज मीणा/श्री मुलचन्द	1589	कोटा शहर	बारां	8769205968
30.	श्री नरेश भारती/श्री सीताराम भारती	1576	कोटा शहर	बूंदी	7568143336
31.	श्री महेश चौहान/श्री घनश्याम	2581	जोधपुर शहर	नागौर	9529102019
32.	श्री रवि डांगी/श्री मुरलीधर डांगी	465	तृतीय आरएसी, बीकानेर	अजमेर	8696368024
33.	श्री गणपत लाल/श्री जगदीश चन्द्र ढोली	128	प्रथम् आरएसी, जोधपुर	भीलवाड़ा	7742918263
34.	श्री समीर खान/श्री शंकरखान	133	प्रथम् आरएसी, जोधपुर	जैसलमेर	8107105503
35.	श्री अंकित कुमार बारेठ/श्री मदन कुमार	1573	कोटा शहर	भीलवाड़ा	8058981939
36.	श्री कोजे खां/श्री बाबू खां	2582	जोधपुर शहर	जैसलमेर	8107971474
37.	श्री सिन्नू यादव/श्री बाबुलाल यादव	5408	आयुक्तालय, जयपुर	झुन्झुनू	9929553966

क्र.सं.	नाम/पिता का नाम	बै.नं.	भर्ती जिला	गृह जिला	मोबाईल नं.
38.	श्री भोपाल सिंह चौहान/श्री बलवन्त सिंह	106	पीटीएस, खैरवाड़ा	बांसवाड़ा	9694449297
39.	श्री पंकज खारीया/श्री शीशराम खारीया	5406	आयुक्तालय, जयपुर	जयपुर	8560946878
40.	श्री स्वरूप खां/श्री निजरा खां	2584	जोधपुर शहर	बाड़मेर	9828443411
41.	श्री देशराज धानका/श्री पांचू राम	1096	तृतीय आरएसी, बीकानेर	जयपुर	9636494978
42.	श्री विजेन्द्र दमामी/श्री मूलचन्द दमामी	1192	कोटा ग्रामीण	कोटा	7239879375
43.	श्री संजय कुमार/श्री धनश्याम लाल	1087	तृतीय आरएसी, बीकानेर	भीलवाड़ा	9680618016
44.	श्री दीपक गोचर/श्री द्वारिका लाल गोचर	1193	कोटा ग्रामीण	कोटा	9636269216
45.	श्री ओम प्रकाश/श्री तिलोक चन्द	2572	अजमेर	नागौर	8432611997
46.	श्री सत्यवीर सिंह/श्री फतेह सिंह	677	7 वीं आरएसी, भरतपुर	भरतपुर	9414600924
47.	श्री नागेन्द्र सिंह चौहान/श्री बलवन्त सिंह	107	पीटीएस, खैरवाड़ा	डूंगरपुर	8875266052
48.	श्री अरविन्द कुमार मीणा/श्री गजेन्द्र मीणा	103	पीटीएस, खैरवाड़ा	उदयपुर	9166406958
49.	श्री अजय कुमार मीणा/श्री बद्री लाल मीणा	1095	तृतीय आरएसी, बीकानेर	झालावाड़	7742342922
50.	श्री जितेन्द्र ढोली/श्री राजेन्द्र कुमार	1091	तृतीय आरएसी, बीकानेर	नागौर	9672338472
51.	श्री किशोर/श्री पुखराज	131	प्रथम् आरएसी, जोधपुर	नागौर	9680188270
52.	श्री सुरेश चन्द्र/श्री भुरालाल ढोली	129	प्रथम् आरएसी, जोधपुर	भीलवाड़ा	9929408291
53.	श्री जितेन्द्र कुमार मीणा/श्री शंकर लाल	105	पीटीएस, खैरवाड़ा	उदयपुर	9571931221
54.	श्री ओम प्रकाश ढोली/श्री जमना लाल	2571	अजमेर	भीलवाड़ा	9610216853
55.	श्री रफीक खां/श्री पप्पू खां	1089	तृतीय आरएसी, बीकानेर	नागौर	8290783127
56.	श्री लतीफ खां/श्री मुंगेर खां	126	प्रथम् आरएसी, जोधपुर	जैसलमेर	9829709560
57.	श्री महावीर बुकण/श्री भैरूलाल	2570	अजमेर	भीलवाड़ा	9928561132
58.	श्री अभिषेक कालेट/श्री सुखदेव	1511	जयपुर ग्रामीण	जयपुर	9660768986
59.	श्री सूर्य प्रकाश आजाद/श्री गुलाब चन्द	130	प्रथम् आरएसी, जोधपुर	पाली	9928758540
60.	श्री पेपे खां/श्री हिन्दाल खां	2583	जोधपुर शहर	जैसलमेर	9649138350
61.	श्री अविनाश शर्मा/श्री मोहन लाल	1581	कोटा शहर	जयपुर	9571361886
62.	श्री सतीश कुमार/श्री मुलचन्द बैरवा	1582	कोटा शहर	दौसा	9667625862
63.	श्री विक्रम कुमार राणा/श्री भंवर लाल	1911	बीकानेर	बीकानेर	8696419605

हमेशा याद रखें

- **विद्यालय में ली गई शपथ**

  भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई बहिन है.....

- **दीक्षान्त समारोह में ली गई शपथ**

  मैं शपथ लेता हूँ कि.....

- **नियोजक एवं नियोजित के मध्य संविदा**

  प्रत्येक सरकारी कर्मचारी हर समय पूर्ण ईमानदारी, कर्त्तव्य के प्रति निष्ठा रखेगा तथा ऐसा कोई कार्य नहीं करेगा जो उसके सरकारी कर्मचारी होने के नाते अनुचित हो।

सीआईएसएफ आरक्षीगण बैण्ड बैच - 01 प्रोफाईल

क्र.सं.	नाम	रेंक नं.	मो. न.
1.	श्री अंकित कुमार,	150400549	8973268990
2.	श्री शेवाले राकेश,	150400628	8824003933
3.	श्री दुर्गेश,	150400789	8220190750
4.	श्री अशफाक अली,	150401098	9500546215
5.	श्री शिवा कुमार,	150400512	8385822243
6.	श्री शिव कुमार,	150400220	8805414396
7.	श्री सुरेश,	150401007	9553875363
8.	श्री कानिया इमरान,	150401122	–
9.	श्री नीरज,	150400293	8763967629
10.	श्री अनिल कुमार,	150400707	8763861681
11.	श्री डोकरे स्वरूपानन्द,	150400433	–
12.	श्री नौरतमल,	150400734	7891116087
13.	श्री वानखड़े,	150400345	
14.	श्री राणा बलवीर सिंह,	150400798	
15.	श्री सीद्धे मयूर,	150400460	9764965693
16.	श्री अतुल ए.साढे,	150400178	7502938331
17.	श्री भोसले आकाश,	150400521	9860684924
18.	श्री वाहल ए.टी.	150400886	8385815746
19.	श्री पाटिल रविन्द,	150400451	8600869114
20.	भारमल अमोल,	150400372	9604090472
21.	महाजन संदीप	150400646	9561170074
22.	आशीष कुमार	150400354	7755868987
23.	अनु. एस.आर.ए.एस.,	150400099	8893886582
24.	मुकेश,	150400363	9557677645
25.	सुनील कुमार,	150400813	9893845992
26.	दिलशाद खान,	150401061	9929537675
27.	विजय कुमार बैन,	150400822	9669340927
28.	बिहाड़े विशाल,	150400831	7737169541
29.	संजीत कुमार,	150401025	7597674109
30.	बिहाड़े परेश,	150400309	9860302019
31.	विकास,	150400655	7340292497
32.	मनोज कुमार,	150400761	8056288985
33.	पाटिल किशोर,	150400585	9309349726
34.	मुख सोपान	150400974	7869362233
35.	देशमुख यशवन्त ,	150400947	9096928005
36.	बशीर मोहम्मद	150401104	7023901616
37.	गौरव राहुल	150400567	9600529396
38.	शहाने मिथुन	150400071	9689868235
39.	सोनवणे मयूर	150400558	9600529960
40.	इमरान	150401113	8057640083
41.	मंगल सुब्बारायडू	150400196	9630809503
42.	रिजवान	150401052	9597802063
43.	कृष्णा राव	150400530	9989271896
44.	एन. शेखर	150400594	9676798964
45.	गोहिल सहदेव सिह	150400169	07737949996

618

राजस्थान पुलिस
एक शाम शहीदों के नाम
जय
हिन्द

जय
हिन्द

राजस्थान पुलिस अकादमी की आधारभूत प्रशिक्षण सुविधाएं

शहीद स्मारक

माही हॉस्टल

ऑडिटोरियम

क्वार्टर गार्ड

मनु सदन

सरस्वती हॉस्टल

राजस्थान पुलिस अकादमी की आधारभूत प्रशिक्षण सुविधाएं

बनास हॉस्टल

बास्केट बाल कोर्ट

परेड ग्राउण्ड

लॉन टेनिस कोर्ट

तरण ताल

स्टेडियम

यदि शान्ति का
प्रथम न्यास है
IF YOU WANT PEACE

यदि शान्ति का
प्रथम न्यास है